

Padma Shri



SHRI MARACHI SUBBURAMAN

Shri Marachi Subburaman is the Founder- Director of Society for Community Organization and People's Education (SCOPE), a Non Governmental Organization (NGO) established in 1986 in Tiruchirappalli, Tamil Nadu exclusively for promoting supply of safe water and sustainable sanitation, women and child development, nutrition and behavioral change.

2. Born on 5th April, 1949 at Pudupatty, a remote village on the banks of the river Cauvery in Karur District, Shri Subburaman graduated from EVR College, Trichy. He got training in rural development, health & sanitation and designing of houses with basic amenities in Village Reconstruction Organization (VRO), Guntur run by Prof. Father Windy of Belgium for 10 years (from 1976-1985). The exposure to rural life and challenges faced by people to earn a livelihood left a deep impression in his mind.

3. Under the leadership of Shri Subburaman, SCOPE has been organizing women self help groups mostly in rural areas and has been conducting intensive awareness campaign of the harmful effects of open defecation and the need for construction of toilets. SCOPE joined hands with the Rural Development Department of the Government of Tamilnadu and of Department of Drinking Water and Sanitation (DDWS) of Government of India and constructed over one lakh toilets under the Government schemes. SCOPE also received support from foreign funding agencies for innovation and research in the field of sanitation.

4. Since the conventional twin-pit, latrine septic tanks and underground drainage system necessitated huge quantity of precious water, SCOPE designed a squatting model of ECOSAN UDDT water saving toilet. Shri Subburaman is a pioneer in ECOSAN UDDT in the Country. It saves water, converts the human excreta into organic manure and uses the urine as liquid fertilizer. After field trial Tamil Nadu Agricultural University, Coimbatore and National Research Centre for Banana, Trichy took two year research studies on agriculture using urine and compost. The research results proved that food security and higher productivity at lower cost could be achieved by use of ECOSAN toilet.

5. Shri Subburaman promoted use of Pottys for infants both in urban and rural areas to inculcate the habit of spot defecation. SCOPE was appointed as Key Resource Center by the DDWS and organized sustainable sanitation in 16 States. SCOPE also visited ten foreign countries to disseminate benefits of ECOSAN. He is deeply interested in Rain water harvesting, and watershed Development programmes with the support of AFPRO, State and Central Governments and NABARD. He is a member of several national level and state level sanitation committees. He headed the committee on sanitation in the Tamil Nadu Planning Commission with Mrs. Shantha Sheela Nair., IAS (Rtd) and has been a member of the Smart City Mission, Trichy and many other District Committees.

6. Shri Subburaman has received several awards from international and national organizations in the field of water and sanitation. SCOPE was awarded the Nirmal Gram Puraskar Award for the Best NGO in the field of sanitation by the then Hon'ble President A.P.J AbdulKalam in 2006 and Clean Village Award from the Chief Minister of Tamil Nadu in 2005.



श्री माराची सुब्बुरामन

श्री माराची सुब्बुरामन एक गैर-सरकारी संगठन, सोसाइटी फॉर कम्युनिटी ऑर्गनाइजेशन एंड पीपुल्स एजुकेशन (स्कोप) के संस्थापक-निदेशक हैं। इस संगठन की स्थापना 1986 में तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में, विशेष रूप से स्वच्छ पानी की आपूर्ति और निरंतर स्वच्छता, महिला और बाल विकास, पोषण को बढ़ावा देने और व्यवहार सम्बंधी परिवर्तन के लिए की गई है।

2. 5 अप्रैल, 1949 को करूर जिले में कावेरी नदी के तट पर स्थित एक सुदूर गांव पुदुपट्टी में जन्मे श्री सुब्बुरामन ने ईवीआर कॉलेज, त्रिची से स्नातक किया। उन्होंने बेल्जियम के प्रो. फादर विंडी द्वारा 10 वर्षों (1976-1985) तक संचालित ग्राम पुनर्निर्माण संगठन (वीआरओ), गुंटूर में ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं से युक्त घरों की डिजाइनिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। ग्रामीण जीवन के संपर्क में आने और आजीविका कमाने के लिए लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों ने उनके मन पर गहरी छाप छोड़ी।

3. श्री सुब्बुरामन के नेतृत्व में, स्कोप ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों को संगठित कर रहा है और खुले में शौच के हानिकारक प्रभावों और शौचालयों के निर्माण की आवश्यकता के बारे में गहन जागरूकता अभियान चला रहा है। स्कोप ने तमिलनाडु सरकार के ग्रामीण विकास विभाग और भारत सरकार के पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) से हाथ मिलाया और सरकारी योजनाओं के तहत एक लाख से अधिक शौचालयों का निर्माण कराया। स्कोप को स्वच्छता के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान के लिए विदेशी फंडिंग एजेंसियों का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

4. चूंकि पारंपरिक जुड़वां गड्डे, लैट्रिन सेप्टिक टैंक और भूमिगत जल निकासी प्रणाली के लिए बेशकीमती पानी की अत्यधिक मात्रा की जरूरत पड़ती है, इसलिए स्कोप ने इकोसन यूडीडीटी पानी की बचत वाले शौचालय का एक स्क्विटिंग मॉडल तैयार किया। श्री सुब्बुरामन देश में इकोसन यूडीडीटी में अग्रणी हैं। यह पानी बचाता है, मानव मल को जैविक खाद और मूत्र को तरल उर्वरक में परिवर्तित करता है। फील्ड ट्रायल के बाद तमिलनाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर और नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर बनाना, त्रिची ने मूत्र और कंपोस्ट का इस्तेमाल करते हुए कृषि पर दो वर्ष तक शोध अध्ययन किया। शोध के नतीजों ने साबित कर दिया कि इकोसन शौचालय के उपयोग से खाद्य सुरक्षा और कम लागत पर उच्च पैदावार हासिल की जा सकती है।

5. श्री सुब्बुरामन ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में एक स्थान पर मल त्याग की आदत डालने के लिए शिशुओं के शौच पात्र के प्रयोग को बढ़ावा दिया। स्कोप को 16 राज्यों में निरंतर व्यवस्थित स्वच्छता के लिए डीडीडब्ल्यूएस द्वारा प्रमुख संसाधन केंद्र के रूप में नियुक्त किया गया। स्कोप ने इकोसन के लाभ का प्रचार-प्रसार करने के लिए दस देशों का भी दौरा किया। वह एएफपीआरओ, राज्य और केंद्र सरकारों और नाबार्ड के सहयोग से वर्षा जल संचयन और जलविभाजक विकास कार्यक्रमों में गहरी रुचि रखते हैं। वह कई राष्ट्रीय और राज्य स्तर की स्वच्छता समितियों के सदस्य हैं। उन्होंने श्रीमती शांता शीला नायर, आईएसएस (सेवानिवृत्त) के साथ तमिलनाडु योजना आयोग के अधीन स्वच्छता संबंधी समिति की अध्यक्षता की और वह स्मार्ट सिटी मिशन, त्रिची और कई अन्य जिला समितियों के सदस्य रहे हैं।

6. श्री सुब्बुरामन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से जल और स्वच्छता के क्षेत्र में कई पुरस्कार मिल चुके हैं। स्कोप को 2006 में तत्कालीन माननीय राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ गैर-सरकारी संगठन के लिए निर्मल ग्राम पुरस्कार और 2005 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा स्वच्छ ग्राम पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।